सेमेस्टर –IV

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र

Core Course – DSC8-A

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

इकाई – 1 : कविताएं

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

इकाई – 2: नाटक

- नीलदेवी

इकाई – 3: निबंध

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

इकाई – 4 : विविध

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

सहायक ग्रंथ:

1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।